vinetur

स्कॉटलैंड का व्हिस्की भंडार 1.4 अरब लीटर पहुंचा

आपूर्ति मांग से काफी आगे निकलने के बाद कई डिस्टिलरियों ने उत्पादन एक-तिहाई से अधिक घटा दिया है।

सोमवार, 7 सितंबर 2026



Financial Times के अनुसार, Commercial Spirits Intelligence के अनुमानों और उद्योग से हुई परामर्शों का हवाला देते हुए, स्कॉटलैंड का व्हिस्की उद्योग 2026 में अनुमानित 1.4 अरब लीटर परिपक्व हो रही व्हिस्की अपने पास रखे हुए है। यह करीब एक दशक पहले 400 मिलियन लीटर से भी कम था, और इसमें तेज बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

रिपोर्ट किए गए स्टॉक स्तर से संकेत मिलता है कि स्कॉटलैंड भर के गोदामों में अब 10 साल पहले की तुलना में 1 अरब लीटर से अधिक अतिरिक्त स्पिरिट मौजूद है। इसका मतलब होगा कि मौजूदा इन्वेंट्री पहले के स्तर से कम से कम 3.5 गुना है। कहा जा रहा है कि यह मात्रा मौजूदा खपत के लगभग तीन वर्षों के बराबर है, जो इस बात का संकेत है कि आपूर्ति मांग से काफी आगे निकल गई है।

इस जमावड़े के चलते कई डिस्टिलरियों ने उत्पादन घटाया है। रिपोर्ट के अनुसार, कई उत्पादकों ने स्टॉक की बढ़ोतरी को

धीमा करने के लिए आउटपुट एक-तिहाई से अधिक कम किया है, क्योंकि इन स्टॉक्स को बिक्री में बदलने में वर्षों लग सकते हैं। व्हिस्की कारोबार में, स्पिरिट को स्कॉच के रूप में बोतलबंद और बेचे जाने से पहले कैस्क में परिपक्व होना पड़ता है, जिसका अर्थ है कि उत्पादक अक्सर राजस्व मिलने से काफी पहले नकदी लगा देते हैं।

यह लंबी परिपक्वता अवधि अतिरिक्त आपूर्ति को एक गंभीर वित्तीय समस्या में बदल सकती है। बड़े इन्वेंट्री स्तर उस स्पिरिट में पूंजी फंसा देते हैं जो शायद वर्षों तक नहीं बिकेगी। यदि मांग कमजोर बनी रहती है या वृद्धि धीमी पड़ती है, तो उत्पादकों पर छूट देने, संचालन निलंबित करने, परिसंपत्तियां बेचने या नया वित्तपोषण तलाशने का दबाव आ सकता है। यह जोखिम खास तौर पर स्वतंत्र डिस्टिलरों के लिए गंभीर है, जिनके पास अक्सर बड़े अंतरराष्ट्रीय वितरण वाले बड़े समूहों की तुलना में नकदी तक कम पहुंच होती है।

इसी तरह का एक हालिया उदाहरण एडिनबर्ग की Holyrood Distillery है, जिसने इस वसंत में अनिश्चितकाल के लिए डिस्टिलेशन रोक दिया, जैसा कि उसी रिपोर्ट में कहा गया है। कंपनी के पास लगभग 4,500 कैस्क होने की बात कही गई है। डिस्टिलेशन रोकने का मतलब यह जरूरी नहीं कि किसी डिस्टिलरी ने अपनी सारी व्यावसायिक गतिविधि बंद कर दी हो, क्योंकि उत्पादक मौजूदा स्टॉक को परिपक्व करना, उसका विपणन करना या बेचना जारी रख सकते हैं, लेकिन यह साफ संकेत है कि मौजूदा बाजार परिस्थितियां कुछ संचालकों को नकदी बचाने और आगे उत्पादन सीमित करने के लिए मजबूर कर रही हैं।

1.4 अरब लीटर का अनुमान Scotch Whisky Association की आधिकारिक इन्वेंट्री नहीं है। यह आंकड़ा निजी विश्लेषण से आया है और यह नहीं बताता कि इसमें से कितना व्हिस्की कानूनी बॉटलिंग आयु तक पहुंच चुका है, इसका मालिक कौन है, कितना हिस्सा आसानी से बाजार में बेचा जा सकता है, या इसकी कीमत क्या है। यह डिस्टिलरी के आकार, क्षेत्र या स्वामित्व संरचना के हिसाब से भी विस्तृत विभाजन नहीं देता। यानी यह शीर्षक आंकड़ा मात्रा की एक व्यापक तस्वीर देता है, लेकिन पूरे क्षेत्र की वाणिज्यिक सेहत का पूरा पैमाना नहीं।

रिपोर्ट में उद्धृत उत्पादन कटौती भी एकल सार्वजनिक डेटासेट के बजाय उद्योग स्रोतों से आई है। इससे यह जानना मुश्किल हो जाता है कि यह कमी कितनी समान रूप से महसूस की जा रही है। कुछ उत्पादक आउटपुट को मामूली रूप से घटा सकते हैं, जबकि कुछ बहुत अधिक कटौती कर सकते हैं या कुछ समय के लिए उत्पादन रोक सकते हैं। इसका असर संभवतः हर डिस्टिलरी के बिक्री चैनलों, निर्यात निर्भरता, अनुबंधीय दायित्वों और नकदी स्थिति के अनुसार अलग-अलग होगा।

यह स्टॉकपाइल इसलिए मायने रखता है क्योंकि स्कॉच व्हिस्की का उत्पादन मांग में अल्पकालिक बदलावों के जवाब में नहीं होता। डिस्टिलरों को वर्षों पहले निर्णय लेने पड़ते हैं, अक्सर निर्यात बाजारों में भविष्य की खपत की उम्मीदों के आधार पर। अगर वे उम्मीदें जरूरत से ज्यादा आशावादी साबित होती हैं, तो नतीजा यह होता है कि गोदामों में बड़ी मात्रा में स्पिरिट बिना किसी साफ-सुथरे निकट भविष्य के बिक्री मार्ग के परिपक्व होती रहती है। क्योंकि भंडारण, बीमा, बैरल प्रबंधन और वित्तपोषण के जरिये परिपक्वता पर भी खर्च आता है, बढ़ते स्टॉक व्हिस्की के बॉटलिंग आयु तक पहुंचने से पहले ही दबाव बढ़ा सकते हैं।

यह मुद्दा मूल्य प्रतिस्पर्धा की संभावना भी बढ़ाता है। यदि एक ही समय में बिक्री के लिए बहुत अधिक व्हिस्की उपलब्ध हो जाती है, तो उत्पादकों पर स्टॉक निकालने के लिए कम मार्जिन स्वीकार करने का दबाव पड़ सकता है। यह जोखिम थोक और प्राइवेट-लेबल बाजार हिस्सों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, जहां खरीदारों की सौदेबाजी की ताकत अधिक हो सकती है और जहां स्वतंत्र डिस्टिलर अधिक प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही, मजबूत ब्रांड वाले उत्पादक इन्वेंट्री को अधिक समय तक रोके रखकर मूल्य-स्तर बचाने की कोशिश कर सकते हैं, हालांकि इससे पूंजी फंसी रहती है।

स्कॉटलैंड के लिए परिपक्व हो रही व्हिस्की का यह जमावड़ा सिर्फ गोदाम का आंकड़ा नहीं है। स्कॉच देश के सबसे प्रसिद्ध विनिर्मित निर्यातों में से एक बना हुआ है, और उत्पादन संबंधी फैसले ग्रामीण रोजगार, कूपर, लॉजिस्टिक्स प्रदाता, अनाज आपूर्तिकर्ता, काँच निर्माताओं और डिस्टिलरियों से जुड़े पर्यटन व्यवसायों को प्रभावित करते हैं। डिस्टिलिंग में व्यापक

मंदी उस नेटवर्क में तरंग प्रभाव पैदा कर सकती है, भले ही परिपक्व स्टॉक ऊंचा बना रहे।

रिपोर्ट किए गए आंकड़े उस क्षेत्र की ओर इशारा करते हैं जो वर्षों के विस्तार के बाद खुद को समायोजित कर रहा है। 400 मिलियन लीटर से कम से लगभग 1.4 अरब लीटर तक की बढ़ोतरी दिखाती है कि डिस्टिलरियों ने लंबी अवधि में स्पिरिट की बड़ी मात्रा रखी। यह रणनीति तब उचित लगती थी जब वृद्धि की उम्मीदें अधिक मजबूत थीं, लेकिन जब मौजूदा खपत नई आपूर्ति को उसी गति से नहीं खपाती, तब इसे बनाए रखना कठिन हो जाता है।

चूंकि यह अनुमान स्टोरेज में रखी व्हिस्की का मौद्रिक मूल्य तय नहीं करता, इसलिए यह नहीं दिखाता कि अलग-अलग कंपनियों पर बैलेंस-शीट का कितना दबाव है। दो डिस्टिलरों के पास समान मात्रा हो सकती है, लेकिन ऋण स्तर, वित्तपोषण लागत, ब्रांड की मजबूती और उनके कैस्क की आयु-संरचना के आधार पर जोखिम बहुत अलग हो सकते हैं। पुरानी व्हिस्की अधिक कीमत दिला सकती है, लेकिन वह पूंजी को अधिक लंबे समय तक फंसा कर रखती है। युवा स्टॉक का सतर्क मूल्यांकन करना आसान हो सकता है, लेकिन उसे पुरानी किस्मों की तरह तुरंत बेचा नहीं जा सकता।

5 सितंबर को रिपोर्ट किए गए आंकड़े इस बात के प्रमाण बढ़ाते हैं कि स्कॉच व्हिस्की उद्योग संयम के दौर में प्रवेश कर रहा है। उन वर्षों के बाद जब नई डिस्टिलरियां खुलीं और स्थापित उत्पादकों ने विस्तार किया, अब फोकस स्टॉक प्रबंधन, नकदी बचाए रखने और इस पर करीबी नजर रखने की ओर शिफ्ट होता दिख रहा है कि बाजार कितनी स्पिरिट समा सकता है।